प्रदेश के कई जिलों में आंधी-तूफान व बरसात ने तबाही मचाई

भीलवाड़ा, सिंघाना, जालौर के सायला, पाली, राजसमंद और उदयपुर सहित कई जिलों में आंधी के साथ बरसात हुई

भीलवाड़ा शहर में तेज आंधी के साथ दो घंटे तक हुई बारिश से सड़कों पर पानी भरा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में मौसम का बदला मिजाज प्रशासनिक लापरवाहियों के कारण आमजन के लिए परेशानी का सबब बन गया। सोमवार सुबह तीखी धूप के बाद चंद मिनटों में मौसम बदल गया और घटाएं छा गई। उसके बाद तेज अंधड़ चला और सवेरे आठ बजे से ही बरसात शुरू हो गई। करीब दो घंटे तक हुई बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। शहर कुछ स्थानों समेत कई गांवों में आंधी- तूफान ने तबाही मचाई। गांवों में भी तेज बारिश हुई। मौसम में हुए बदलाव के बाद दोपहर में एक दिन में तापमान आठ डिग्री सेल्सियस गिर गया।

बारिश के चलते भीलवाड़ा कृषि मंडी में पड़ी हजारों टन फसल भीगने के कारण खराब हो गई।

- बरसाम होने से दिन में तापमान आठ डिग्री सेल्सियस गिर गया
- बेमौसम की बरसात के कारण किसानों को खेतों में पड़ी फसलें खराब होने की चिंता सताने लगी है

जानकारी के अनुसार शहर में सुबह की शुरुआत चिलचिलाती धूप से हुई थी, लेकिन चंद मिनटों के अचानक मौसम में बदलाव के बाद घटाएं छाने और धूलभरी आंधी चलने से अंधेरा छा गया। लोगों को वाहनों की हैड लाइट जलानी पड़ी। उसके बाद करीब दो घंटे तक तेज बरसात हुई। शहर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री पर आ गया, जबकि रविवार को 40 डिग्री तक पहुंच गया था।

गर्मी छू-मंतर हो जाने से घरों में कूलर बंद हो गए। झमाझम बरसात से नालियां और नाले उफान पर आ गए। शहर में जगह-जगह पानी भर गया। बेमौसम की बरसात के कारण किसानों को खेतों में पड़ी फसलें खराब होने की चिंता सताने लगी। वहीं बारिश से शादी समारोह वालों को परेशानी उठानी पड़ी। तेज अंधड़ से कई मकान के चद्दर, त्रिपाल व टीनशेड तथा दुकानों के बाहर रखे कूलर व अन्य सामान उड़ गए।

अचानक आए अधंड़ से मची तबाही का मंजर देख कर हर कोई अचंभित रहा। ना सिर्फ खेत बल्कि प्रशानिक लापरवाही का खामियाजा किसानों को भीलवाड़ा कृषि मंडी में भी भुगतना पड़ा। बेमौसम की बारिश के चलते मंडी में पड़ी हजारों टन फसल भीगने के कारण खराब हो गई। यही नहीं शहर को दो हिस्से में बांटने वाले ओवरब्रिज भी ऐसी ही लापरवाही के कारण पानी से लबालब भर गए और लिंक रोड जाम से थम गई।

सिंघाना क्षेत्र में हुई बरसात से लोगों को राहत मिली

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना क्षेत्र में देर शाम को बारिश का दौर शुरू हो गया। पश्चिम विक्षोभ से हुई बरसात से आमजन को गर्मी से काफी राहत मिली तथा

- तापमान में भी आठ डिग्री तक गिरावट दर्ज, मौसम सुहावना हुआ

तापमान में भी आठ डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। बरसात होने के बाद मौसम सुहावना हो गया। करीब आधे घंटे तक मध्यम बरसात होने से सड़कें दरिया बन गई, जिससे राहगीरों को निकलने मे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार शाम को बादलों की काली घटा छा जाने सेवाहन चालकों को दिन में ही लाइट जलानी पड़ी। इस दौरान बरसात॰ के कारण आसपास के क्षेत्र के निचले इलाकों में पानी घुस गया, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सिंघाना क्षेत्र में बरसात होने से कई जगह पर पानी भर गया।

बरसात से कस्बे की सड़कें जलमग्न हो गई। खेतड़ी व आसपास के क्षेत्र में दोपहर को मध्यम बरसात का दौर शुरू हुआ। सिंघाना के ग्रामीणों ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी, प्रभात कॉलोनी, मुख्य बाजार स्थित मुस्लिम बस्ती में पानी की सही निकासी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के समय में कस्बे का पानी तेज बहाव के साथ आने से नाले उफान पर हो जाते हैं। नालों की साफ-सफाई नियमित रूप से नहीं होने के कारण उनका पानी सड़क पर आ जाता है तथा घरों में घुस जाता है। नालों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाने से राहगीरों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं व्यापारियों को भी आए दिन होने वाली गंदगी से परेशानी भुगतनी पड़ रही है।

सायला क्षेत्र में पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली

सायला में मौसम में हुए बदलाव से तेज हवा से पेड़ गिर गये।

- धूल भरी आंधी चलने से लोग दशहत में आ गए, तेज हवाओं से दर्जनभर बिजली के पोल गिरे
- तेज हवाओं से दुकानों के साईन बोर्ड गिर गए, खेतों में खड़ी फसलों में नुकसान पहुंचा

सायला, (निसं)। सायला उपखंड मुख्यालय सहित क्षेत्रभर में सोमवार अलसवेरे आसमान में 50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने से जनजीवन प्रभावित हो गया।

पश्चिमी विभोक्ष से क्षेत्र में अलसवेरे अचानक से मौसम का मिजाज बदलने के साथ तेज रफ्तार से हवा चलने लगी। जिससे पेड़ झूलने लगे। साथ ही धूल भरी आंधी चलने लगी, जिससे लोग दशहत में आ गए। तेज हवाओं से दर्जनभर बिजली के पोल गिर गए, जिसके कारण बिजली गुल हो गई, जो करीब आठ घंटे प्रभावित रही, जिसके चलते रोजमर्रा के कार्य में गृहणी महिलाओ को दिक्कतें झेलनी पड़ी। साथ ही ओटवाला रोड मुख्य सड़क पर पेड़ टूटकर गिरने से एक बार वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। घर आदि धूल से भर गए।

तेज हवाओं से दुकानों के साईन बोर्ड गिर गए। खेतों में खड़ी फसलों में काफी नुकसान पहुंचा है। दोपहर तक आसमान में बादल छा रहे। तापमान में गिरावट से मौसम में ठंडक रही।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक व 24 भेड़ों की मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां तेज गर्मी के बीच हुई बारिश ने बीकानेर में राहत की बरसात कर दी है। उधर आकाशीय बिजली गिरने से बज्जू के गोडू गांव में एक युवक की मौत हो गई।

वहीं बाड़े में खड़ी चौबीस भेड़ों की भी मौत हो गई। मौसम विभाग ने सुबह छह बजे जारी अलर्ट में बीकानेर में बारिश की चेतावनी देते हुए ओरेंज अलर्ट जारी किया था। इससे पहले ही बादल बरसना शुरू कर चुके थे। देर रात जैसे ही रिमझिम शुरू हुई, वैसे ही लाइट बंद हो गई। शहर से पहले गांवों में बादल बरसे। बीकानेर के कोलायत सहित कई क्षेत्रों में हल्की रिमझिम बारिश हुई। कुछ इलाकों में तेज बारिश से पानी भर गया। सड़कों पर भी पानी जमा हुआ। तापमान में न सिर्फ कमी आई है, बल्कि हवा भी ठंडी है। मौसम विभाग पिछले दो दिन से बीकानेर में बूंदाबांदी के साथ बारिश होने की उम्मीद जता रहा था।

जानकारी के अनुसार बज्जू के एक खेत में काम करते युवक पर आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। गोड की रोही में चक छह जीएसएमआर में राजाराम पुत्र नेनुराम गोदारा रात के समय मशीन से फसल काट रहा था। इस दौरान अचानक मौसम बदल गया। राजाराम अपने घर की तरफ रवाना हो गया था। इस बीच गिरी बिजली की चपेट में आ गया।

मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। उसे बज्जू के उप जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उसने मृत घोषित कर दिया गया। बज्जू में ही एक और खेत में बिजली गिरने से छह केएचडी में गोपाल सिंह की ढाणी के पास 24 भेड़ों की मौत हो गई।

जालोर जिले में भारी बारिश की चेतावनी

जालोर, (कासं)। मौसम विभाग द्वारा 6 व 7 मई को जालोर व आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी अनुमान के अनुसार जालोर जिले में 6 मई को 50-60 किमी प्रति घंटे तथा 7 मई को 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ ही भारी बारिश होने की संभावना है। तेज हवा व बरसात के समय पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेने तथा ढीली संरचनाओं से दूर रहने की चेतावनी जारी की गई है।

पाली में तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई

पुराने कचहरी स्थित आयुर्वेद अस्पताल में बरसों पुराना नीम का पेड़ जड़ से उखड़ कर गिर गया।

- विद्युत पोल और पेड़ गिरने से धोला चौतरा क्षेत्र में लाइट बंद रही

पाली, (नि.स.)। पाली शहर में गत रात और आज सुबह आये तेज अंधड़ के साथ बारिश के कारण शहर के धोला चौतरा क्षेत्र के भटवारा बास में पानी टंकी परिसर में एक पेड़ विद्युत पोल पर गिरने से इस क्षेत्र में दिन में लाइट बंद हो गई।

विद्युत कर्मचारियों द्वारा दिन भर कार्य कर वापस विद्युत पोल खड़ा किया गया उसके बाद शाम पांच बजे लाइट शुरू हुई, किसके कारण धोला चौतरा कुमार का बास, सोमनाथ रोड, भटवारा, लोढ़ा का बास इलाके में लाइट बंद रही। रविवार देर रात्रि के बाद सोमवार अल सुबह तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ जो करीब एक घंटे तक चला। इससे सड़कों पर पानी बहने लगा। तेज हवा के कारण कई टीनशेड उड़ गए और विद्युत पोल, पेड़ गिर गए। इसी क्रम में पुराने कचहरी स्थित आयुर्वेद अस्पताल में बरसों पुराना नीम का पेड़ जड़ से उखड़ कर गिर गया। इससे करीब शहर में दो-तीन घंटे विद्युत सप्लाई बाधित रही। बारिश से मौसम में ठंडक हो गई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे।

राजसमंद में तेज अंधड़ के साथ हुई बारिश

राजसमंद, (निसं)। शहर सहित जिलेभर में रविवार देर रात मौसम ने अचानक करवट ली और तेज बारिश, अंधड़ और बिजली ने जमकर कहर बरपाया। राजसमंद, नाथद्वारा, केलवा, कुंवारिया, सरदारगढ़, आमेट सहित कई स्थानों पर जोरदार बारिश हुई। वहीं कई इलाकों में ओले भी गिरे। इस प्राकृतिक आपदा के कारण जिले में विद्युत विभाग को खंभे गिरने, डिपी के खंभे टूटने, विद्युत लाइनें टूटने से करीब 60 लाख रूपये से अधिक माल का भारी नुकसान हुआ है।

राजसमंद में बरसात होने व हवायें चलने से वाहन चालक परेशान हुये।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता बीएस शर्मा ने बताया कि तेज हवाओं व अंधड़ के कारण शहर सहित जिलेभर में बिजली के खंभे टूट गए। इससे निगम को करीब 60 लाख रूपये का नुकसान हुआ है। बारिश और तेज अंधड़ के चलते जिले के कई हिस्सों में पेड़ उखड़ गए, जिससे यातायात के साथ विद्युत व्यवस्था बाधित हुआ और कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। टीन शेड और बिजली के पोल भी धराशायी हो गए, जिससे बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई। नाथद्वारा और कांकरोली सहित कई स्थानों पर तेज बारिश के साथ ओले गिरने से फसलों के पडे भूंसे को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रशासन नुकसान का आकलन करने में जुटा है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य जारी है। लोगों को सतर्क रहने और मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी गई है। जिला मुख्यालय के अलावा कुंवारिया, आमेट, चारभुजा, रेलमगरा, केलवा, पीपरडा, खमनोर, कुंभलगढ़ और आसपास के गांवों में सोमवार सुबह अचानक मौसम में बदलाव आया। घने काले बादल छा गए और देखते ही देखते तेज मेघ गर्जन और जोरदार हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इस अप्रत्याशित बारिश से मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई, जो करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक लुढक गया। इस बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

उदयपुर में हल्की बारिश से मौसम खुशनुमा हुआ

तापमान में गिरावट से गर्मी से राहत, सुबह से ठंडी हवाओं का दौर जारी

- दिन के तापमान में 3.6 डिग्री की गई

उदयपुर, (का.सं)। लेकसिटी में सोमवार को सुबह हल्की बारिश के बाद मौसम खुशनुमा बना हुआ है। बीते तीन-चार दिन से मौसम में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। बीती रात भी आंधी का दौर चला। सोमवार अलसुबह से ठंडी हवाएं चलने लगी। जिसके बाद बारिश शुरू हो गई। मौसम ठंडा हो गया। एकदम मौसम बदलने से लोगों को काफी राहत महसूस हुई लेकिन विवाह समारोह वाले घरों में चिंता बढ़ गई व आनन-फानन में अलग से व्यवस्थाएं करनी पड़ी।

मौसम विभाग के अनुसार दिन के तापमान में 3.6 डिग्री और रात के तापमान में इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार दिन के तापमान में 3.6 डिग्री और रात के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग की माने तो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते मौसम में बदलाव देखने को मिला है। उदयपुर में बीते चार दिन से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को दिन का तामपान 33.5 डिग्री और रात का 20.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को दिन का तापमान 37.1 डिग्री और रात का 21.0 डिग्री सेल्सियस था। वहीं एक दिन पहले दिन का 38.7 और रात का 22.7 डिग्री रहा था। इसी तरह शुक्रवार को दिन का तापमान 39.3 डिग्री और रात का 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे के लिए ॲऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बिजली की गरज के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। विभाग के अनुसार उदयपुर के साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में भी मेघगर्जन, हल्की से मध्यम बारिश,आकाशीय बिजली, ओलावृष्टि और तेज़ अंधड़ की संभावना है। अंधड़ की गति 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

रिश्वतखोर अधीशाषी अभियंता के चार लॉकरों से 59 लाख रूपये बरामद

पीडब्ल्यूडी बारां के अधीशाषी अभियंता अजय सिंह को पांच लाख की रिश्वत लेते 28 अप्रैल को गिरफ्तार किया था

- अधिशाषी अभियंता की अन्य सम्पत्तियों एवं निवेश के बारे में जांच जारी

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों कोटा टीम ने परिवादी से मिली शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पीडब्ल्यूडी बारां के अधीशाषी अभियंता अजय सिंह को पांच लाख की रिश्वत लेते 28 अप्रैल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। एसीबी कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि पांच लाख की रिश्वत लेते पकड़े गये आरोपी के खिलाफ चल रही जांच के दौरान शेष चार लॉकरों को खुलवाने के लिये न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को बारां जेल से कोटा लाकर आरोपी की उपस्थिति में लॉकरों की तलाशी ली गई तो आरोपी के दो लॉकर में प्रत्येक में 15-15 लाख रूपये एवं दो लॉकरों में से पुत्री के लॉकर मे 15 लाख तथा स्वयं एवं पुत्री के नाम संयुक्त लॉकर में 14 लाख रूपये कुल चार लॉकरों में 59 लाख रूपये बरामद किये गये।

एसीबी के एएसपी ने बताया कि अब तक आरोपी के मकान से 2 लाख नकद, आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम एफ.डी. में निवेशित 76 लाख रूपये, बचत खाते में जमा 2 लाख रूपये, सोने की ज्वैलरी 7.5 लाख रूपये की, चांदी के 361 सिक्के, बीमा पॉलिसी में निवेशित 5 लाख रूपये, दो कार, एक स्कूटी तथा आठ लॉकर्स में से कुल एक करोड़ नौ लाख रूपये बरामद किये जा चुके हैं। आरोपी बारां के सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अजय सिंह की अन्य सम्पत्तियों एवं निवेश के बारे में जांच जारी है।

कृषि वि.वि. के कुलपति पर लगे आरोपों की होगी जांच

- राज्यपाल ने संभागीय आयुक्त जोधपुर की अध्यक्षता में हाईपावर कमेटी गठित की

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. अरुण कुमार के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संभागीय आयुक्त जोधपुर की अध्यक्षता में हाईपावर कमेटी गठित की है।

कुलपति के खिलाफ की गई शिकायतों पर बिंदुवार जांच के संबंध में गठित यह कमेटी बीकानेर पहुंचेगी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार पर एसोसिएट प्रोफेसर भर्ती में घोटाला और रिटायर्ड प्रोफेसर को डीडीओ पावर देने जैसी शिकायतें हैं। आरोप है कि कुलपति ने एसोसिएट प्रोफेसर भर्ती में धांधली के साथ-साथ कई वित्तीय अनियमितताएं भी की हैं। इन्हीं मुद्दों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से कुलपति के खिलाफ शिकायतों की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर पिछले महीने 23 दिन तक विश्वविद्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना भी दिया गया था। मामला राजभवन तक पहुंचने के बाद कुलपति के खिलाफ कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर और कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। राज्यपाल की ओर से गठित जांच कमेटी में संभागीय आयुक्त जोधपुर के अलावा अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जोधपुर सहित पांच सदस्य शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय के सभागार में शिकायतकर्ताओं का पक्ष भी सुना जाएगा और दस्तावेजों की जांच होगी।

दहेज हत्या के आरोपी पति को सात साल की सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। दहेज हत्या के करीब साढ़े चार साल पुराने मामले में महिला उत्पीड़न क्रम-2 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी पति को दोषी मानते हुए सात साल की सजा सुनाई। महिला उत्पीड़न क्रम-2 न्यायालय के न्यायाधीश ने आरोपी पति धनराज उर्फ दिनेश को दोषी मानते हुए सात साल की सजा से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक रामेत कुमार सैनी ने बताया कि मामले में मृतका के पिता प्रभुलाल ने 3 नवम्बर 2020 को न्यायालय में परिवाद पेश किया था जिसमें कहा था कि उसकी पुत्री मन्नीबाई की पांच साल पहले शादी हिरियाखेड़ी निवासी धर्मराज उर्फ दिनेश के साथ की थी। फरियादी ने परिवाद में कहा कि शादी के कुछ समय बाद उसकी पुत्री को कम दहेज लाने का ताना देते हुए मारपीट करते थे। परिवादी की पुत्री के पति का बनाया एक मकान था जिसे खाली करने को लेकर अन्नु बाई, बिरधीबाई लगातार उसके पीछे पड़ते थे। पति धर्मराज मोटरसाईकिल व 50 हजार रूपये की मांग कर परिवादी की पुत्री के साथ मारपीट करता था और उसकी पुत्री को घर से बार-बार भगा देता था। परिवादी ने परिवाद में कहा कि उसकी पुत्री उसके घर पर पीहर में रहने लगी 11 जून 2020 को उसके पति ने एक शपथ पत्र लिखकर दिया कि वह अगर उसकी पुत्री के साथ मारपीट करता है तो उसकी पुत्री व उसके परिवार के लोग उस पर कानूनी कार्यवाही कर सकते हैं। फरियादी ने परिवाद में कहा कि रक्षाबंधन के तीन दिन पहले उसकी पुत्री मुन्नीबाई ने फोन पर अपनी बड़ी बहन फूलाबाई से प्रताड़ना के चलते ससुराल में नही रहने की बात कही। परिवाद में कहा कि दो दिन बाद थाना मोड़क से पुलिस वालों का फोन आया कि मुन्नी बाई के साथ घटना घटी है यहां आ जाओ। पुलिस वालों के फोन के बाद जब वह उसकी पुत्री के ससुराल पहुंचा तो उसकी पुत्री उसको मृत अवस्था में मिली और उसकी पुत्री की गर्दन टूटी हुई थी। पुलिस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कर रही। परिवादी के परिवाद पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान करते हुए धारा 304-बी के तहत आरोपी हिरियाखेड़ी निवासी धर्मराज उर्फ दिनेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मामले में 16 गवाहों के बयान एवं 25 दस्तावेज पेश किये गये।